

संकुल प्रभारी अवलोकन प्रपत्र – टर्म 2

जिले का नाम

ब्लाक

संकुल का नाम

संकुल प्रभारी का नाम

संकुल में कुल स्कूलों की संख्या

कुल शिक्षकों की संख्या

संकुल में फोकस स्कूलों की संख्या

शिक्षकों की संख्या

अवलोकन का दिनांक

नोट: कक्षा अवलोकन, शिक्षक और बच्चों से बातचीत के बाद दिए गए इंडिकेटर के स्तर D, C, B या A पर टिक करें।

1. अपने अकादमिक दायित्व की समझ और उसका पालन करना।			
A	B	C	D
अपने अकादमिक दायित्वों की पूरी समझ है। किए गए अवलोकन के आधार पर शिक्षक सपोर्ट की योजना बनाकर शिक्षकों को विविध तरीकों से अकादमिक सपोर्ट प्रदान कर रहे हैं।	अपने अकादमिक दायित्वों की समझ है। शिक्षकों से स्कूल सुधार की चर्चा करते हैं। स्कूल विजिट के दौरान शिक्षकों को सुझाव देते हैं। उनकी मदद करते हैं।	अपने दायित्वों की समझ रखते हैं तथा कभी-कभी विद्यालयों में अनुश्रवण भी करते हैं। परन्तु इनके पास इस हेतु कोई निर्धारित योजना नहीं है।	अकादमिक समझ एवं दायित्वों की समझ पूरी तरह नहीं है। सूचना लेनदेन को मुख्य कार्य मानते हैं। विद्यालयों की शैक्षिक सुधार के लिए कोई चर्चा नहीं करते।
2. शिक्षकों पर टीका-टिप्पणी की बजाय उनका उत्साहवर्धन करना। (निरीक्षक की बजाय सहयोगी की भूमिका)			
A	B	C	D
पूर्ण रूप से शिक्षकों के सहयोगी की भूमिका में हैं। वे विद्यालयों से फीडबैक लेते हुए उन्हें पूरी योजनाबद्ध ढंग से अकादमिक सपोर्ट प्रदान कर रहे हैं। इसके लिए नियमित बैठकें भी करते हैं।	शिक्षकों को धैर्यपूर्वक सुनते हैं। उनसे राय मांगते हैं। उनके द्वारा दिए गए राय पर योजना बनाकर स्कूल सुधार के लिए प्रयास करते हैं।	स्वयं को एक अकादमिक सहयोगी के रूप में जानते हैं। स्कूलों में शैक्षिक सुधार के लिए सलाह देते हैं पर विद्यालय स्तर पर यह कार्य करने हेतु उनके पास कोई निश्चित योजना नहीं है।	निरीक्षक की भाँति अपना कार्य कर रहे हैं। विद्यालय भ्रमण के दौरान अकादमिक चर्चा की बजाय एडमिन रिलेटेड पूछताछ करते हैं। अपने आपको शिक्षकों से उच्च दिखाते हैं।
3. अपने क्षेत्र की वास्तविक परिस्थितियों और शिक्षकों की अपेक्षाओं के प्रति सजग हैं।			
A	B	C	D
क्षेत्र की वास्तविक परिस्थितियों से भलीभाँति परिचित हैं। उनके पास इस बारे में अभिलेख है। वे शिक्षकों के साथ मिलकर इनके बेहतर उपयोग, प्रयोग के बारे में योजना बनाते हैं। तथा बनी योजना को शिक्षकों के साथ मिलकर अमल करते हैं।	अपने क्षेत्र की वास्तविक परिस्थितियों को गहराई से समझते हैं। क्षेत्रीय संदर्भ, संसाधनों के बारे में जानते हैं। शिक्षकों को सुनते हैं, उनसे स्थानीय स्रोतों के उपयोग के बारे में चर्चा करते हैं।	अपने क्षेत्र की वास्तविक परिस्थितियों से परिचित तथा सजग हैं। परन्तु उसका उपयोग शैक्षिक सुधार के लिए नहीं होता। शिक्षकों की अपेक्षाएं समझते पर कोई पहल नहीं करते।	अपने क्षेत्र की वास्तविक परिस्थितियों से कुछ-कुछ परिचित हैं। शिक्षकों की शैक्षिक सुधार सम्बन्धी अपेक्षाओं की जानकारी उन्हें नहीं है।
4. शिक्षकों के बारे में समझ है और उनकी जरूरत के अनुसार मदद करते हैं।			
A	B	C	D
शिक्षकों क्षमताओं एवं योग्यताओं की पूरी समझ रखते हैं। स्कूलों की कठिनाइयों से वाकिफ हैं तथा उस अनुसार मदद देते हैं। शिक्षकों का एक समूह है जिसके साथ मिलकर शैक्षिक सुधार को लागू करते हैं।	शिक्षकों के बारे में समझ रखते हैं। उनके सुनते हैं। जरूरत के अनुसार मदद करते हैं। संकुल के क्षमतावान शिक्षकों की मदद से स्कूल सुधार के लिए योजनाबद्ध सपोर्ट देते हैं।	शिक्षकों के बारे में समझ रखते हैं। अपने संकुल के क्षमतावान शिक्षकों की पहचान है। न तो उनका कहीं उपयोग करते हैं शिक्षकों के सुझावों पर खास ध्यान नहीं देते।	शिक्षकों के बारे में आधी-अधूरी जानकारी रखते हैं। उनकी अकादमिक क्षमताओं की जानकारी उन्हें नहीं है। वे उनकी अकादमिक क्षेत्र में मदद नहीं कर पा रहे हैं।
5. एक दूसरे के अनुभवों और विचारों के आदान-प्रदान के लिए शिक्षकों के बीच मेल-मिलाप का आयोजन करते हैं।			
A	B	C	D
शिक्षकों की विषयवार बैठकें कर उन्हें अनुभव एवं विचारों को साझा करने का मौका प्रदान किया जाता है। बैठक में शिक्षक स्कूल सुधार की योजना बनाते हैं। उनकी योजना के अनुसार फालोअप और सपोर्ट किया जाता है।	शिक्षकों की नियमित बैठक होती है। जिसमें वे अपने अनुभव एवं विचारों का आदान प्रदान करते हैं। एक दूसरे की सफलताओं को अपने स्कूल में लागू करने की योजना बनाई जाती है।	जिला, ब्लॉक स्तरीय बैठकों में हुई शैक्षिक चर्चा को शिक्षकों के साथ साझा करते हैं। शिक्षकों से उस अनुसार कार्य करने के लिए कहते हैं पर उनका कोई फालोअप नहीं होता।	ब्लॉक और जिला स्तरीय बैठकों में प्रतिभाग करते हैं, परन्तु सूचनाओं के आदान प्रदान के अतिरिक्त शिक्षकों से अन्य कोई बात नहीं होती। संकुल शिक्षकों की कभी बैठक नहीं होती।
6. स्वयं को आदर्श रूप में प्रस्तुत करते हैं।			
A	B	C	D
शैक्षिक चर्चा के लिए प्रयास करते हैं। बैठकें, टेलीफोन के जरिए शिक्षकों से सदैव सुधारात्मक बातें करते हैं। शिक्षकों की मांग पर पाठों का प्रस्तुतीकरण करते हैं।	करिकुलम, सिलेबस और पाठ्यपुस्तकों के बारे में पूरी जानकारी है। शिक्षकों से इस पर चर्चा करते हैं तथा कभी-कभी पाठ प्रस्तुतीकरण भी करते हैं।	शिक्षकों से व्यक्तिगत समस्याओं पर चर्चा करते हैं। कभी-कभार पठन-पाठन, सिलेबस, परीक्षा आदि पर संक्षिप्त चर्चा, सूचना आदि प्रदान करते हैं।	शिक्षकों से विभागीय नियम-निर्देश की चर्चा करते हैं। पठन-पाठन के बारे बात करने पर निराशाजनक टिप्पणी करते हैं।
स्तर 1			
7. शिक्षकों को धैर्यपूर्वक सुनते हैं तथा उन्हें बच्चों से बातचीत करने और सुनने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।			
A	B	C	D
विविध सवालों के जरिए शिक्षकों को सुनते हैं, उन्हें भी बच्चों को सुनने के लिए विविध प्रकार के सवाल और उदाहरण देते हैं।	शिक्षकों से उनके पिछले कार्य अनुभवों के बारे में धैर्यपूर्वक सुनते हैं तथा उन्हें भी बच्चों को सुनने के लिए उपाय सुझाते हैं।	शिक्षकों से कभी-कभार उनके कामों के बारे में पूछताछ करते बच्चों से बातचीत बढ़ाने के निर्देश और सुझाव देते हैं।	शिक्षकों से जब मिलते हैं उन्हें कोई न कोई निर्देश, सुझाव देते रहते हैं। बच्चों को अनुशासन में रखने की सलाह दिया करते हैं।
8. बच्चों के बीच नई पाठ्य सामग्री का रोचक तरीकों से परिचय कराने और तर्क आधारित सवालों के उपयोग के लिए एनपीआरसी द्वारा शिक्षकों का समर्थन किया जाता है।			

A	B	C	D
नई किताबों के परिचय और उन पर चर्चा के लिए तर्क आधारित सवालों का संकलन बनाये हैं जिसे शिक्षकों से समय-समय पर साझा करते हैं।	लाईब्रेरी की अन्य किताबों के प्रयोग को प्रोत्साहित करते हैं। नई किताबों के परिचय के लिए तरीके सुझाते हैं।	पाठ्यपुस्तक और अभ्यास पुस्तक के साथ-साथ कभी-कभार लाईब्रेरी के पुस्तकों के प्रयोग की सलाह देते हैं।	शिक्षकों से कोर्स पूरा करने के लिए कहते हैं, पाठ्यपुस्तक में दिग गए अभ्यासों को पूरा कराने पर जोर देते हैं।
9. गणित शिक्षण को रुचिकर बनाने के लिए बच्चों के दैनिक अनुभवों और परिवेशीय ठोस सामग्री के प्रयोग के विविध उदाहरणों के साथ शिक्षकों का समर्थन करते हैं।			
A	B	C	D
गणितीय अवधारणाओं की समझ के लिए बच्चों के दैनिक जीवन के उदाहरण व ठोस सामग्री के प्रयोग का शिक्षकों के समक्ष प्रदर्शन करते हैं।	गणितीय अवधारणाओं के परिचय के लिए बच्चों के दैनिक जीवन के उदाहरण और ठोस सामग्री के प्रयोग के सुझाव देते हैं।	गणित की नई अवधारणाओं के परिचय के लिए शिक्षकों को विविध प्रकार के उदाहरणों का प्रयोग करने के लिए कहते हैं।	गणित में अधिक से अधिक सवालों को हल कराने पर जोर देने के लिए शिक्षकों को निर्देशित करते रहते हैं।
स्तर 2			
10. सीखने के उद्देश्यों से जुड़ी और स्थानीय सन्दर्भयुक्त विविध गतिविधियों के उदाहरण सहित शिक्षण योजना बनाने और उसको लागू करने में एनपीआरसी द्वारा शिक्षकों की मदद की जाती है।			
A	B	C	D
शिक्षकों के साथ नियमित बैठककर विविध रोचक और स्थानीय सन्दर्भयुक्त युक्त उदाहरणों को उनके योजना में सम्मिलित करा उसे लागू कराते हैं।	शिक्षकों शिक्षण योजना बनाते समय विविध स्थानीय सन्दर्भयुक्त उदाहरणों के साथ उनकी मदद करते हैं।	शिक्षकों को शिक्षण योजना बनाने में मदद करते हैं, उनको अपनी योजना अनुसार शिक्षण करने को कहते हैं।	शिक्षकों को योजना बनाकर शिक्षण के लिए निर्देश और सुझाव देते हैं।
11. बच्चों को स्वतंत्र और मौलिक लेखन के पर्याप्त अवसर देने के लिए एनपीआरसी द्वारा शिक्षकों को प्रोत्साहित किया जाता है।			
A	B	C	D
बच्चों के स्वतंत्र और मौलिक लेखन के विविध उदाहरण शिक्षकों से साझा करते हैं तथा उनसे इस प्रकार के अभ्यास कराने पर जोर देते हैं।	बच्चों को अपने मन से सोचकर लिखने का अभ्यास कराने के लिए शिक्षकों को कहते हैं तथा इस बारे में उनको प्रोत्साहित करते हैं।	पाठ्यपुस्तक में दिए गए प्रश्नों के उत्तर बच्चों को स्वयं खोजकर लिखने और याद कराने के सुझाव शिक्षकों को देते हैं।	पाठ्यपुस्तक में दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखवाने और उनको रटवाने के लिए शिक्षकों को कहते रहते हैं।
12. बच्चों में तार्किक कौशल बढ़ाने के लिए कक्षा में गणितीय भाषा की समझ और उसके विविध उपयोग के लिए शिक्षकों को प्लानिंग में मदद करते हैं तथा किए गए प्लान को सफलतापूर्वक लागू करने में उन्हें सतत सहयोग करते हैं।			
A	B	C	D
गणितीय भाषा की समझ के लिए विविध प्रकार के तार्किक सवालों और उदाहरणों को शिक्षकों के प्लान में सम्मिलित कराते हैं और उसके अनुसार शिक्षण पर जोर देते हैं।	गणितीय भाषा की समझ के लिए विविध उदाहरण सम्मिलित करने के लिए शिक्षकों को सुझाव देते हैं तथा ऐसे ही शिक्षण को कहते हैं।	गणित पाठ्यपुस्तक में दिए गए लर्निंग आउटकम के अनुसार प्लान करने और शिक्षण के लिए कहते हैं।	शिक्षकों से पाठ्यपुस्तक पूरा करने की प्लानिंग करने और उस अनुसार शिक्षण करने पर जोर देते हैं।
स्तर 3			
13. एनपीआरसी शिक्षकों के साथ मिलकर कार्य करते हुए यह सुनिश्चित करते हैं कि आकलन के डाटा का उपयोग सीखने में पीछे पड़ रहे बच्चों की जरूरतों को पहचानने और उसे दूर करने में किया जाय।			
A	B	C	D
बच्चों के आकलन के रिकार्ड का विश्लेषण कर शिक्षकों को योजना बनवाते हैं, पीछे पड़ रहे बच्चों के लिए रोचक तरीके सम्मिलित कराते हैं।	बच्चों के आकलन का रिकार्ड का शिक्षकों से विश्लेषण कराते हैं और उस अनुसार पीछे पड़ रहे बच्चों की मदद को कहते हैं।	बच्चों के आकलन के अनुसार शिक्षण करने के लिए सुझाव और निर्देश देते हैं। पीछे पड़ रहे बच्चों को अलग से पढ़ाने को कहते हैं।	बच्चों का नियमित आकलन करने और किए गए आकलन का रिकार्ड मंटेन कराने पर विशेष जोर देते हैं।
14. पाठ्यपुस्तक में सम्मिलित विधाओं (कविता, कहानी, वर्णन आदि) की समझ के लिए बच्चों के साथ विविध अभ्यास (क्रम देना, आगे बढ़ाना, संक्षेपीकरण आदि) करने के लिए शिक्षकों को प्रोत्साहित करते हैं।			
A	B	C	D
पाठ्यपुस्तक के आलवा विविध विधाओं की अन्य रचनाओं के साथ क्रम देना, आगे बढ़ाना, संक्षेपीकरण आदि अभ्यास कराने के लिए शिक्षकों को उदाहरण सहित सुझाव देते हैं।	पाठ्यपुस्तक में दिए विविध विधाओं के साथ क्रम देना, आगे बढ़ाना, संक्षेपीकरण आदि अभ्यास कराने के लिए शिक्षकों को उदाहरण सहित सुझाव देते हैं।	पाठ्यपुस्तक में दिए विविध विधाओं के साथ मौखिक और लिखित अभ्यास को पूरा कराने के लिए शिक्षकों को सुझाव देते हैं।	भाषा की पाठ्यपुस्तक में दिए गए सवालों का उत्तर लिखवाने और उन्हें याद कराने पर जोर देने के लिए शिक्षकों को निर्देश देते हैं।
15. एनपीआरसी शिक्षक के साथ मिलकर विविध प्रकार के डाटा के प्रयोग के साथ तार्किक चिन्तन को बढ़ावा देने वाली, स्थानीय सन्दर्भ के उपयुक्त और पढ़ाए जाने वाले पाठों से सम्बन्धित गणितीय प्रब्लेम साल्विंग की गतिविधियों का संकलन बनाते हैं, इन गतिविधियों को कक्षा में किए जाने वाले तरीकों पर शिक्षकों का ओरिएंटेशन करते हैं, शिक्षकों के अनुभवों पर फीडबैक लेते हुए फालोअप और समर्थन करते रहते हैं।			
A	B	C	D
विविध प्रकार के डाटा का उपयोग कर गणितीय सक्रियाओं से सम्बन्धित प्रब्लेम साल्विंग अभ्यास तथा उनको करने के तरीकों के बारे में शिक्षकों को मदद करते हैं।	गणितीय सक्रियाओं से सम्बन्धित विविध प्रकार के प्रब्लेम साल्विंग अभ्यास शिक्षकों से साझा कर उन्हें बच्चों के साथ करने को कहते हैं।	पाठ्यपुस्तक में विविध गणितीय सक्रियाओं से सम्बन्धित प्रब्लेम साल्विंग के अभ्यास कराने के लिए शिक्षकों को सुझाव देते हैं।	गणितीय सक्रियाओं से सम्बन्धित अधिक से अधिक सवालों को हल कराने के लिए शिक्षकों को कहते रहते हैं।